न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी– रतन कुमार (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या	दायर दिनांक	निर्णय दिनांक
002/2017 (GCMS 2017/00139)	**04.01.2017**	**03.03.2021**

अनवान

सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकारी, चित्तौड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

प्रार्थी

बनाम

1. भरत कुमार सिंधी पुत्र धर्मदास (विक्रेता)
   मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज.
   निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान।
2. श्रीमति नीलम मिरानी (सिंधी) पत्नि भरत कुमार सिंधी (मालिक)
   मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज.
   निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान।

अप्रार्थीगण

–:: जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) एफएसएस एक्ट 2006 नियम 2011 ::–

–:: निर्णय ::–

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह राणावत ने परिवाद अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) के तहत विरूद्ध अप्रार्थीगण के प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 14.07.2016 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन कर रहे थे, और इन्हें राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक **FH/PFA/Notification/2011/440 Dated 25-07-2011** के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन. स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान, जयपुर के आदेश क्रमांक/एफएसएसए/2016/465 दिनांक 03.05.2016 के अनुसार इनका कार्य क्षेत्र जिला चित्तौड़गढ़ आवंटित किया गया था और जिला चित्तौड़गढ़ के अंतर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आते हैं। गजट

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

नोटिफिकेशन, अधिसूचना एवं आदेश की सत्यापित छाया प्रतियाँ न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न हैं। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 14.07.2016 को समय 04.40 पीएम पर मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज. पर पहुँचें। वहां पर भरत कुमार पुत्र धर्मदास उक्त फर्म में विक्रेता की हैसियत से खाद्य पदार्थ नुगती का निर्माण आम जनता को विक्रय हेतु कर रहे थे एवं विक्रय हेतु अपने कब्जे में रखे हुए थे। मौके पर विक्रेता से वर्ष 2016 का खाद्य लाईसेन्स प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, जो कि विक्रेता द्वारा खाद्य रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया। विक्रेता द्वारा सीमेन्ट वर्क्स द्वारा जारी केन्टीन का कोन्ट्रेक्ट मेमो की फोटो प्रति भी प्रस्तुत की गई थी। मौके पर गवाहान महेन्द्र सिंह एवं सलीम खाँ की उपस्थिति में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय पत्र विक्रेता भरत कुमार को दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया तत्पश्चात् विक्रेता व गवाहान की उपस्थिति में उक्त फर्म का निरीक्षण करने पर कार्टुनों में लगभग 60 किलोग्राम नमकीन तैयार की हुई रखी पाई गई। विक्रेता ने बताया कि उक्त नमकीन का निर्माण मुंगफली तेल, बेसन आदि से निर्मित की गई है व्यापारी ने बताया कि उक्त नमकीन आम जनता को उपभोग एवं विक्रय हेतु तैयार की गई है एवं विक्रय की जा रही है। मिलावट की शंका होने पर उक्त खाद्य पदार्थ नमकीन का नमूना लेने हेतु विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नम्बर **V A** की प्रति गवाहान की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली, जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त नमकीन जो कि लगभग 60 किलोग्राम थीं में से 2 किलोग्राम नमकीन वास्ते नमूना जाँच हेतु खरीदा, जिसकी कीमत विक्रेता को रूपये 220/– नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता तथा मौके पर उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किये। जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। साथ ही फर्म नीलम मिरानी द्वारा प्रस्तुत विक्रेता के पहचान पत्र की छायाप्रति (आधारकार्ड) व खाद्य अनुज्ञा पत्र की प्रति भी संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उक्त खरीदशुदा नमकीन को चार बराबर भागों में बाट कर चार प्लास्टिक जारो में अलग–अलग भरकर ढक्कन लगाकर अच्छी तरह एयर टाईट बन्द किया। उक्त नमुना भागों हेतु 04 लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूना भाग पर लेबल चिपकाये लेबल पर खाद्य पदार्थ का नाम, स्थान व दिनांक आदि अंकित कर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने, गवाहान व व्यापारी ने हस्ताक्षर किये थे। चारों नमूना भागों को अलग–अलग खाकी कागजों में लपेट कर प्रत्येक भाग पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-696** नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। एक सील नमूना भाग के सीरे पर एक पेंदे पर एवं दाई और एवं एक बाई और लगाई। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवायें कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवें एवं सीलबन्द नमुनों पर गवाहान के हस्ताक्षर कराकर नमुने का पुर्ण विवरण लिखकर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने कब्जे में लिया। विक्रेता को उक्त नमुने के एक भाग (चौथा भाग) को एक्रीएटेड लैब में जॉच कराने की जानकारी मौके पर ही आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दे दी गई थी। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर मालिक एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे विक्रेता एवं मौके पर उपस्थित गवाहान ने भी पढ़कर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये। जिस सील से नमूना सील चपड़ी किया गया, उसका मोनोग्राम मौके पर ही मौका पंचनामा पर अंकित किया गया। फर्द रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील अंकित की, जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं दो प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में पत्रवाहक के साथ खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को जमा करवाने हेतु भिजवाया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति एवं एक प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में जमा की खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से अलग अलग रसीद प्राप्त की गई जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म नं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2016/4311 दिनांक 04.08.2016 द्वारा ज्ञात हुआ कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त नमकीन का नमूना वास्ते जाँच क्रय किया गया था जो कि सबस्टेण्डर्ड होना पाया गया। जाँच रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। फर्म नीलम मिरानी को प्राप्त जांच रिपोर्ट की एक प्रति रजिस्टर्ड पत्र से प्रेषित की गई, जिसकी मूल पोस्टल रसीद संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण के समस्त दस्तावेज पत्रांक 4311 दिनांक 04. 08.2016 की पालना में अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को जमा कराये गये जिस पर कार्यालय के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2016/6187 दिनांक 29.12.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

2016 के द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त केस मे न्याय निर्णयन आवेदन फाईल करने हेतु प्राधिकृत किया है, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त प्रकरण में निम्न अभियुक्तों ने सब्स्टेण्डर्ड नमकीन का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (II) का उल्लघंन किया है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 मे निर्धारित है। अंत में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रार्थना की गई कि उपरोक्त आवेदन न्याय निर्णयन श्रीमान को प्रस्तुत कर दिया गया है जिसे स्वीकार निवेदन है कि उक्त अभियुक्त पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए ताकि आम जनता को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

इस पर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस के तलब किया गया। दिनांक 06.02.2017 को अप्रार्थी की और से उनके अधिवक्ता हाजिर आये एवं अधिकार पत्र पेश किया। दिनांक 14.09.2017 को अप्रार्थीगण की और से जवाब परिवाद पेश किया जो शामिल पत्रावली है। अपने जवाब परिवाद में अप्रार्थीगण ने बताया की अप्रार्थीगण जे.के. सीमेंट वर्क्स निम्बाहेडा अपनी केंटीन चलाते है, और उसमें खाद्य सामग्री बनाने में शुद्ध तेल एवं शुद्ध मसाले एवं शुद्ध सामग्री का उपयोग कर निर्मित करते है। दिनांक 14.07.2016 को प्रार्थी/आवेदक अप्रार्थीगण के केंटीन पर आये तथा नुगती एवं नमकीन के नमूने लिये और नुगती एवं नमकीन मौके पर सही एवं शुद्ध होने के बावजूद भी प्रार्थी/आवेदक ने अपने मनमाने तरीके से प्रकरण दर्ज किया है जो बिलकुल ही असत्य व गलत बनाया गया है जबकि अप्रार्थीगण की फर्म ने विधिवत् रूप से अपना अनुज्ञापत्र भी प्रार्थी/आवेदक को दिया है तथा सामग्री के विक्रय का रजिस्ट्रेशन भी प्रार्थी/आवेदक को उपलब्ध कराया है, और विगत काफी वर्षो से अप्रार्थीगण अपनी फर्म को सही सामग्री के वितरण से चला रहे है और आज तक खाद्य विभाग द्वारा किसी प्रकार का ऐसा गंभीर आरोप अप्रार्थीगण की कैंटीन पर नही लगाया है। नुगती एवं नमकीन का जो सेंपल लिया है उसमें जो साक्ष्य बतायी है उसमें एक साक्षी सलीम खां ओर गवाह महेन्द्रसिंह के समक्ष पर्चा मौका बनाया गया, वहां पर ऐसा कोई स्वतंत्र गवाह नही है, एवं न ही निष्पक्ष जांच की गई है, जबकि मौके पर जो नुगती एवं नमकीन बनी हुई थी वह पूर्णतया शुद्ध मुंगफली के तेल एवं बेसन से बनी हुई थी जिसमें किसी प्रकार की मिलावट या अशुद्धता नहीं पायी गयी, उक्त साक्षी सलीम खां बाहरी व्यक्ति है तथा महेन्द्रसिह व अन्य साक्षी हितग्राही विभाग के ही कर्मचारी है तथा जो सेंपल लिये गये है, उनको जो सीलचीट की गई है, वो भी संदेहास्पद है, और इस तरह की कार्यवाही प्रार्थी/आवेदक द्वारा पूर्वक की गई है जो दुर्भावना पूर्वक की गई है जो केवल मात्र अप्रार्थीगण की फर्म को क्षति पहुंचाने तथा

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

बदनाम कर हटवाने की साजिश का एक पहलू है। इस प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जो सेंपल की कार्यवाही की गई है जो पुरी तरह गलत होने से कार्यवाही निरस्त योग्य हैं। गवाहान ने उक्त कार्यवाही पर अप्रार्थीगण की उपस्थिति में हस्ताक्षर नही किये है, गवाहान के हस्ताक्षर प्रार्थी ने कब करवाये यह अप्रार्थीगण की जानकारी में नही है तथा प्रार्थी/आवेदक द्वारा जो सीटचीट की कार्यवाही की गई है वह भी पूरी तरह संदेहास्पद है। प्रार्थी/आवेदक द्वारा की गई पुरी कार्यवाही दुषित संदेहास्पद है, प्रार्थी/आवेदक का मुख्य उद्देश्य अप्रार्थीगण की फर्म को जे.के. सीमेंट वर्क्स में लगी केंटीन को बदनाम कर हटवाने की साजिश है तथा आवेदक द्वारा नमुना सील चपडी किया गया है और उसका मोनोग्राम जो बनाया है वह भी गलत है और इस प्रकार प्रार्थी/आवेदक ने स्वयं ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम के नियमों का पालन नही किया है। अप्रार्थीगण ने जो सामग्री नुगती एवं नमकीन निर्मित की है वह शुद्ध मुंगफली के तेल एवं शुद्ध बेसन से तैयार की गई थी, जिसे जांच में सब्स्टेण्डर्ड बताया गया है, जबकि जांच अधिकारी ने यह खुलासा नही किया गया है कि नुगती एवं नमकीन में जो चीज अप्रार्थीगण ने निर्मित करने में उपयोग में ली है उसका कोई खुलासा नही किया है, जिससे पता चल सके कि उक्त नुगती एवं नमकीन में उक्त चीजे डालने से मिलावटी हो, पायी गयी है। इससे भी प्रकट होता है कि पुरी कार्यवाही ही द्वेषता एवं अप्रार्थीगण को बदनाम एवं जे.के.सीमेंट प्रांगण से हटवाने की साजिश है। इस प्रकार प्रार्थी/आवेदक द्वारा की गई कार्यवाही अवैध एवं गलत होने से निरस्त योग्य है। अप्रार्थीगण की फर्म में हर प्रकार का खाद्य पदार्थ शुद्ध बनता है किसी प्रकार की कोई मिलावट नही की जाती है और प्रार्थी/आवेदक द्वारा जब नुगती एवं नमकीन के जो नमूने लेकर उसमें मिलावट बताकर इस चरण में उल्लेखित अधिनियम व धाराओं का उल्लंघन करना बतया गया है जो सरासर गलत है और अप्रार्थीगण पर किसी भी का कोई जुर्माना लगाना अवैध है। इस प्रार्थी/आवेदक द्वारा की गई पुरी कार्यवाही दुषित एंव पूर्णतया गलत होने से निरस्त की जावे। अप्रार्थीगण की केंटीन मैसर्स निलम मिरानी विगत कई वर्षो से जे.के. सीमेंट प्रांगण निम्बाहेडा में अनुज्ञापत्र के आधार पर फर्म संचालित करती है तथा अप्रार्थीगण अपनी फर्म में जो खाने की चीजे बनाता है वह शुद्ध मुंगफली के तेल एवं शुद्ध बेसन मसाले आदि का उपयोग करता है, इसी कारण जे.के. सीमेंट में अप्रार्थीगण की उक्त फर्म पर किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री में मिलावट होने का या अशुद्ध होने का आरोप नही लगा है और आज भी अप्रार्थीगण की फर्म में हर प्रकार की खाद्य सामग्री शुद्ध बनती है। यह कि प्रार्थी/आवेदक ने खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के नियमों की पालना नही की है, तथा अप्रार्थीगण की फर्म से नुगती एवं नमकीन के जो नमुने लेकर जो जांच करायी है, उसमें किस चीज की मिलावट की गई है ऐसा कोई स्पष्ट अंकित नही किया गया है, एवं केवल सब्स्टेण्डर्ड पाया गया बताने से मिलावट की जानकारी नही दी गई है और इस प्रकार जांच भी

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

अवैध एवं गलत है। प्रार्थी/आवेदक ने जो गवाह बताये हैं, वे हितग्राही गवाह है ओर ऐसा कोई स्थानीय स्वतंत्र साक्षी प्रार्थी/आवेदक ने अपनी जांच में नही लिया है जिससे भी जाच की कार्यवाही पुरी तरह से दुषित एवं अवैध है तथा लगाये गये आरोप भी सिद्ध नही हुआ है, इस प्रकार अप्रार्थीगण को आरोपो से मुक्त किया जाना न्यायहित में है। अतः जवाब प्रस्तुत कर निवेदन है कि प्रार्थी/आवेदक का आवेदन पत्र निरस्त फरमाया जाकर अप्रार्थीगण को दोषमुक्त फरमाया जावे। जवाब परिवाद शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है।

दिनांक 03.03.2021 को अप्रार्थीगण की और से कोई हाजिर नहीं आया। इस पर पत्रावली का गुणागुण पर निर्णय किया गया। हमने पत्रावली को बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता पूर्वक अध्ययन/परिशीलन किया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत फार्म नंबर 5 ए की प्रति से जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता/मालिक को खाद्य पदार्थ नुगती का नमूना वास्ते जांच लेने हेतु सूचना दी गई जिस पर विपक्षी एवं मौके के गवाहान के हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने हेतु विक्रेता/मालिक से नियमानुसार खाद्य पदार्थ क्रय किया गया जिसकी पुष्ठि नमूना खरीद बिल से होती हैं, उस पर भी विक्रेता एवं गवाहान की शहादत के रूप में हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया गया मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 14.07.2016 का अवलोकन किया। मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 14.07.2016 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ नमकीन जिसका नमूना खरीद बिल पत्रावली पर उपलब्ध है से क्रय किया एवं उस पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-696** नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार ब्रास सील संख्या 62 से सील चपडी किया। इस से स्पष्ट होता है कि खाद्य पदार्थ को नियमानुसार सील किया गया है। हमने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार फार्म नंबर 6 की प्रति का अवलोकन किया। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2016/4102 दिनांक 15.07.2016 से पत्रवाहक गोवर्धनलाल (सहायक कर्मचारी) के साथ आउटर कवर में सील बंद नमूने फार्म नंबर 6 एवं सील्ड लिफाफे खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को नमूना क्रमांक **AM-696** मय लिफाफे के जमा कराये जाने हेतु भिजवाया गया। हमने खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर की रसीद को अवलोकन किया जिससे से जाहिर होता है कि पत्रवाहक गोवर्धनलाल (सहायक कर्मचारी) द्वारा

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

उक्त नमूना मय लिफाफे के दिनांक 15.07.2016 को जमा कराया गया। हमने आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत नियम 2.4.1(10)(ii) एवं 2.4.1(10)(iii) के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की रसीद का अवलोकन किया जिस से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विपक्षी से लिये गये शेष 3 नमूनों एवं फार्म संख्या 6 की प्रतियों को नियमानुसार अभिहित अधिकारी को जमा कराये गयें। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2016/4311 दिनांक 04.08.2016 से विपक्षी को खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट संख्या **LS 378/Act/2016/405 Dated 19-07-2016** की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, उक्त पत्र रिकार्ड पर है। हमने खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट **LS 378/Act/2016/405 Dated 19-07-2016** का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। खाद्य विश्लेषक, उदयपुर रिपोर्ट एवं मतानुसार अनुसार :–

Report No. LS 378/Act/2016/405 Dated 19-07-2016

Certified that I PANKAJ KUMAR duly appointed as under the provisions of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) for RAJASTHAN STATE received from Sh. Devendra Singh Ranawat Food Safety Officer District Chittorgarh, a sample of Namkeen (prepared in Ground nut oil) bearing code no. and serial no. AM-696 of resignated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O, of District Chittorgarh on 15.07.2016 for analysis.

The condition of seals on the container and the outer covering on receipt was as follows Brass Seal No 62 Intact and unbroken. The seals fixed on the container and outer cover tallied with the specimen seal impression sent separately, along with the copy of the memorandum, in sealed envelope.

I found the sample to be Namkeen falling under Regulation No. 2.12.1 of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample was in a condition fit for analysis and has been analyzed on 19.07.2016 and the result of its analysis is given below-

ANALYSIS REPORT--

(i) Sample description:- The Sample contained in a pet jar..

(ii) Physical appearance:- Yellowish in color.

(iii) Label :-- Loose Sample of Namkeen in ground nut oil, As per form No. VI

Opinion:- The sample Namkeen (prepared in Ground nut oil) Bearing code no. and serial no. AM-696 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh Is sub-standard as does not meet as per the prescribed standards as per Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample is sub-standard under section 3(1)(zx) of the Food Safety and Standards Act 2006.

खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर की रिपोर्ट से जाहिर होता हैं कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत द्वारा लिया खाद्य पदार्थ का नमूना जो कि ब्रास सील से सील्ड अवस्था में खाद्य विश्लेषक का प्राप्त हुआ। उक्त नमूना दिनांक 19.07.2016 तक जांच के लिये उपयुक्त था। उक्त नमूने के संबंध में निदेशक रेफरल खाद्य प्रयोगशाला द्वारा अपनी रिपोर्ट में अवगत कराया गया है कि **Namkeen falling under Regulation No. 2.12.1 of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011.** हैं, एवं उक्त नमूना जिस पर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नमकीन खाद्य

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा **3(1)(zx)** के तहत सब्सटेण्डर्ड स्तर का पाया गया है। जिसकी पुष्टि स्वरूप खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की गई है जो कि रिकार्ड पर है। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2016/4311 दिनांक 04.08.2016 का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा विपक्षीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 46(4) के तहत गाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट संख्या **LS 378/Act/2016/405 Dated 19-07-2016** की प्रति प्रेषित की एवं रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से जांच कराये जाने के संबंध में अवगत कराया गया, उक्त पत्र रिकार्ड पर होकर शामिल पत्रावली है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2016/6187 दिनांक 29.12.2016 द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 36 की उपधारा 3(**e**) के तहत अभियोजन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की अभियोजन स्वीकृति आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दी जाकर अधिकृत किया गया है। उक्त समस्त दस्तावेज शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। अप्रार्थीगण द्वारा अपने जवाब परिवाद में उठाये गये तथ्यों के संबंध में किसी भी प्रकार से कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये जबकि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अपने परिवाद के संबंध में समस्त तथ्य पूर्ण रूप से दस्तावेजी साक्ष्य से साबित कराया गया है, एवं हम आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किये गये अनुसंधान से पूर्ण रूप से संतुष्ट है, ऐसी स्थिति में हमारा अभिमत है कि पत्रावली में किसी भी प्रकार अतिरिक्त साक्ष्य एवं शहादत की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 25 में खाद्य पदार्थो के आयात एवं धारा 26 में खाद्य कारोबारकर्त्ता के दायित्वों का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्त्ता यह सुनिश्चित करेगा कि खाद्य वस्तुएं इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों कि अपेक्षाओं को अपने नियंत्रणाधीन कारोबार को अंदर उत्पादन, प्रसंस्करण, आयात, वितरण और विक्रय के सभी प्रक्रमों को पूरा करती है। निर्माता को निर्माण/पैकिंग के समय ही लेबल पर नियमानुसार सभी आवश्यक पूर्तियां करनी चाहिये थी, इसके साथ ही विक्रेता का भी यह दायित्व बनता है कि वह आयातित खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु प्रदर्शित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उक्त खाद्य पदार्थ पर नियमानुसार पूर्ति है। सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का अवलोकन किया अधिनियम की धारा 25 से 27 में निम्न प्रावधान प्रावधित किये गये है :–

25. All imports of articles of food to be subject to this Act.
(1) No person shall import into India –

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(i) any unsafe or misbranded or sub-standard food or food containing extraneous matter;
(ii) any article of food for the import of which a licence is required under any Act or rules or regulations, except in accordance with the conditions of the licence; and
(iii) any article of food in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder or any other Act.

(2) The Central Government shall, while prohibiting, restricting or otherwise regulating import of article of food under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), follow the standards laid down by the Food Authority under the provisions of this Act and the Rules and regulations made thereunder.

26. Responsibilities of the Food business operator.

(1) Every food business operator shall ensure that the articles of food satisfy the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder at all stages of production, processing, import, distribution and sale within the businesses under his control.

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food –

(i) which is unsafe; or
(ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or
(iii) for which a licence is required, except in accordance with the conditions of the licence; or
(iv) which is for the time being prohibited by the Food Authority or the Central Government or the State Government in the interest of public health; or
(v) in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder.

(3) No food business operator shall employ any person who is suffering from infectious, contagious or loathsome disease.

(4) No food business operator shall sell or offer for sale any article of food to any vendor unless he also gives a guarantee in writing in the form specified by regulations about the nature and quality of such article to the vendor: Provided that a bill, cash memo, or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a guarantee under this section, even if a guarantee in the specified form is not included in the bill, cash memo or invoice.

(5) Where any food which is unsafe is part of a batch, lot or consignment of food of the same class or description, it shall be presumed that all the food in that batch, lot or consignment is also unsafe, unless following a detailed assessment within a specified time, it is found that there is no evidence that the rest of the batch, lot or consignment is unsafe: Provided that any conformity of a food with specific provisions applicable to that food shall be without prejudice to the competent authorities taking appropriate measures to impose restrictions on that food being placed on the market or to require its withdrawal from the market for the reasons to be recorded in writing where such authorities suspect that, despite the conformity, the food is unsafe.

27. Liability of the manufacturers, packers, wholesalers, distributors and sellers

(1) The manufacturer or packer of an article of food shall be liable for such article of food if it does not meet the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder.
(2) The wholesaler or distributor shall be liable under this Act for any article of food which is–
(a) Supplied after the date of its expiry; or
(b) Stored or supplied in violation of the safety instructions of the manufacturer; or
(c) Unsafe or misbranded; or
(d) Unidentifiable of manufacturer from whom the article of food have been received; or
(e) Stored or handled or kept in violation of the provisions of this Act, the rules and regulations made thereunder; or
(f) received by him with knowledge of being unsafe.
(2) The seller shall be liable under this Act for any article of food which is –

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(a) sold after the date of its expiry; or
(b) handled or kept in unhygienic conditions; or
(c) misbranded; or
(d) unidentifiable of the manufacturer or the distributors from whom such articles of food were received; or
(e) received by him with knowledge of being unsafe.

अधिनियम के अनुसार खाद्य पदार्थ विक्रेता/निर्माता को उक्तानुसार विधि की पालना किया जाना अपेक्षित हैं, किन्तु इनके द्वारा इसकी जांच नही कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किया गया हैं। अतः उक्त प्रावधानों के तहत् अप्रार्थी को दोष मुक्त नही किया जा सकता है। अतः अप्रार्थी संख्या 1 को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय करने का एवं अप्रार्थी संख्या 2 को उक्त खाद्य पदार्थ की विक्रेता फर्म का मालिक होने से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किये जाने का दोष प्रमाणित माना जाता है ऐसी स्थिति में विपक्षी जो कि उक्त खाद्य पदार्थ के विक्रेता/निर्माता हैं जिससे विपक्षी संख्या 1 श्री भरत कुमार सिंधी पुत्र धर्मदास (विक्रेता) मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज. निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान एवं विक्रेता फर्म का मालिक होने से विपक्षी संख्या 2 श्रीमति नीलम मिरानी (सिंधी) पत्नि भरत कुमार सिंधी (मालिक) मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज. निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के दोष का दोषी पाया जाकर दोषसिद्धि घोषित की जाती हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के तहत दोष सिद्ध अभिुक्त को अधिनियम की धारा 51 के अनुसार अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के प्रावधान हैं। हमने पत्रावली का आद्योपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। अर्थदण्ड के बिन्दु पर चिंतन किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत दोष सिद्ध अभियुक्त को अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के संबंध में अधिनियम की धारा 49 में वर्णित तथ्यों के आधार पर दण्डित किये जाने के प्रावधान प्राविधत किये गये है। अधिनियम की धारा 49 एवं 51 के अनुसार–

49. General provisions relating to penalty.

While adjudging the quantum of penalty under this Chapter, the Adjudicating Officer or the Tribunal, as the case may be, shall have due regard to the following:-

(a) The amount of gain or unfair advantage, wherever quantifiable, made as a result of the contravention,
(b) The Amount of loss caused or likely to cause to any person as a result of the contravention,
(c) The repetitive nature of the contravention,

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(d) Whether the contravention is without his knowledge, and
(e) Any other relevant factor,

51. Penalty for sub-standard food.
Any person who whether by himself or by any other person on his behalf manufactures for sale or stores or sells or distributes or imports any article of food for human consumption which is sub-standard, shall be liable to a penalty which may extend to five lakh rupees.

विपक्षी संख्या 1 एवं 2 की दोष सिद्धि घोषित की गई है, अतः को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय एवं निर्माण करने से विपक्षी संख्या 1 एवं विक्रेता फर्म की मालिक होने से विपक्षी संख्या 2 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** में अभियुक्त की दोषसिद्धि घोषित किये जाने से अभियुक्त संख्या 1 श्री भरत कुमार सिंधी पुत्र धर्मदास (विक्रेता) मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज. निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान को रूपये 10,000/– अक्षरे दस हजार रूपये एवं विक्रेता फर्म का मालिक होने से अभियुक्त संख्या 2 श्रीमति नीलम मिरानी (सिंधी) पत्नि भरत कुमार सिंधी (मालिक) मैसर्स नीलम मिरानी, जे.के. सीमेन्ट वर्क्स, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राज. निवासी 4/12. न्यु हाउसिंग बोर्ड, अटल नगर, निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान को रूपये 20,000/– अक्षरे बीस हजार रूपये अर्थात् कुल रूपये 30,000/– अक्षरे तीस हजार रूपये मात्र के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त उपरोक्त अर्थदण्ड एक माह की अवधि में मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के मार्फत राजकोष में जमा करावें। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को निर्देश दिये जाते है कि नियत समयावधि में अभियुक्तगण से शास्ति राशि वसूल कर राजकोष में जमा कराने की कार्यवाही करावें एवं नियत समयावधि में अभियुक्तगण द्वारा शास्ति राशि जमा नही कराने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के तहत् शास्ति राशि भू–राजस्व के बकाया की तरह वसूल करने की कार्यवाही करावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक **03.03.2021** को लिखाया जाकर सुनाया गया।

(रतन कुमार)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला चित्तौड़गढ़

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.12 18:54:40 IST
Reason: SelfAttested